

## महाकुंभ में महाप्रसाद सेवा

### चर्चा में क्यों?

अडानी समूह और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृषणा कॉन्शियसनेस (ISKCON) ने पर्यागराज में महाकुंभ मेला 2025 में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराने के लिये साझेदारी की है।

### मुख्य बंदि

- अवधऔर पेशकश:
  - महाप्रसाद सेवा पूरे महाकुंभ मेले के दौरान 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलेगी।
  - इस आयोजन के दौरान 50 लाख श्रद्धालुओं को भोजन परोसा जाएगा।
- सहयोग और स्वीकृति:
  - अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने इस पहल में इस्कॉन के समर्थन के लिये आभार व्यक्त करने हेतु इस्कॉन गवर्नगि बॉडी कमीशन (GBC) के अध्यक्ष गुरु प्रसाद स्वामी से मुलाकात की।
- भोजन की तैयारी और वितरण:
  - भोजन मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर स्थिति दो रसोईघरों में तैयार किया जाएगा।
  - महाप्रसाद का वितरण महाकुंभ क्षेत्र में 40 निर्धारित स्थानों पर किया जाएगा।
  - लगभग 2,500 स्वयंसेवक भोजन वितरण में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।
- अतिरिक्त पहल:
  - दवियांग व्यक्तियों, बुजुर्ग श्रद्धालुओं और छोटे बच्चों वाली माताओं की सहायता के लिये गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की गई है।
  - आध्यात्मिक प्रसाद के भाग के रूप में उपस्थिति लोगों के बीच गीता सार की पाँच लाख प्रतियाँ वितरित की जाएँगी।

### अंतर्राष्ट्रीय कृषण भावनामृत संघ (ISKCON)

- 1966 में स्थापित इस्कॉन को आमतौर पर “हरे कृषण आंदोलन” के रूप में जाना जाता है।
- इस्कॉन ने श्रीमद्भगवद्गीता और अन्य वैदिक साहित्य का 89 भाषाओं में अनुवाद किया है, जो विश्वभर में वैदिक साहित्य के प्रसार में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
- इस्कॉन आंदोलन के सदस्य भक्तविदांत स्वामी को कृषण चैतन्य के प्रतिनिधि और दूत के रूप में देखते हैं।